Daily Gospel Reflections in Hindi

16 June 2019

लूकस 7:36-50

FORGIVENESS TO THE SINFUL WOMEN

आज का सुसमाचार पापिनी स्त्री का वर्णन करता है। एक दिन फरीसी सीमोन ने येसु को अपने यहां खाने के लिए निमंत्रण दिया। जब येसु भोजन के लिए बैठ गये तब उस नगर की पापिनी स्त्री रोती हुई येसु के पास खड़ी हो गई और अपने आंसू से येसु के चरण भिगोने, केशों से पोछने और चरणों को चूमने लगी। वाकई में यह उस स्त्री का पाप स्वीकार था। अपने पापों का बोझ वह येसु के चरणों में उतार रही थी। उसका विश्वास था कि येसु के चरणों लिपटकर रो–रो कर अपने पापों को प्रकट करने से उसे अपने पापों से क्षमा मिलेगी और उसका विश्वास सही था इसलिए अंत में येसु, कहते है तुम्हारा विश्वास ने तुम्हारा उद्धार किया है।

बाईबल में उस पापिनी स्त्री का नाम नहीं दिया गया है। वह आप और मैं हो सकते है। वह पापिनी स्त्री सिखाती है कि एक व्यक्ति चाहे कितने भी बड़ा पापी क्यों न हो येसु कभी भी उसका तिरस्कार नहीं करता बल्कि वापस आने का मौका देते हैं।

Rev. Fr. Ebin Uppukandathil

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019